TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

जयंती विशेष

23 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

यदि कभी झुकने की नौबत आ जाए तो

वीरों की तरह झुकें।

- नेताजी सुभाषचंद्र बोस

(स्वतंत्रता सेनानी)

(23 जनवरी 1897 - 18 अगस्त 1945)

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

जयंती विशेष

23 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

सफ़लता हमेशा असफलता के स्तंभ पर खड़ी होती है।

सुभाष चंद्र बोस

(स्वतंत्रता सेनानी)

जन्म: 23 जनवरी 1897 मृत्यु: 18 अगस्त 1945

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

23 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, गुरूवार 23 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"कोयल अपनी भाषा बोलती है, इसलिए आजाद रहती है, पर तोता दूसरे की भाषा बोलता है, इसलिए जीवन भर गुलाम रहता है।"

आज के दिन

1664– मराठा शासक शिवाजी के पिता शाह जी का निधन।

1814– ब्रिटिश पुरातत्व शास्त्री कनिंघम का जन्म। इन्हें 'भारत के पुरातत्व अन्वेषण का पिता' भी कहा जाता है।

1914– फ्रांस के शासक नेपोलियन एल. बोनापार्ट का जन्म।

1920– एयरमेल और एयर ट्रांसपोर्ट सेवाएं प्रारंभ की गई।

1924– शिवसेना पार्टी के संस्थापक बाल ठाकरे का जन्म।

1930– क्लाइड टॉमबाग ने पहली बार प्लूटो की तस्वीर ली।

1965– दुर्गापुर एलॉय स्टील फैक्ट्री की स्थापना।

1966– इंदिरा गांधी भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री बनी।

1. **पराक्रम दिवस/देशप्रेम दिवस/सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती**– सुभाष चन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 ई. को कटक, उड़ीसा में हुआ था। 3 मई, 1939 ई. को उन्होंने फारवर्ड ब्लॉक की स्थापना की। उन्होंने जापान के सहयोग से आजाद हिन्द फौज का गठन किया। आजाद हिन्द फौज में औरतों के लिए 'झाँसी की रानी रेजिमेंट' भी बनाई। उन्होंने 'जय हिन्द' का नारा दिया था। 5 जुलाई, 1943 ई. को सिंगापुर के टाउन हॉल के सामने 'सुप्रीम कमाण्डर' के रूप में सेना को सम्बोधित करते हुए 'दिल्ली चलो' का नारा दिया था। युवाओं को फौज में भर्ती करने के लिए "तुम मुझे खुन दो मैं तुझे आजादी दूँगा।" जापान ने अंडमान और निकोबार द्वीप इन्हें प्रदान किया। सुभाष उन द्वीपों का नामकरण' शहीद द्वीप' और 'स्वराज द्वीप' रखा। आजाद हिन्द फौज और जापानी सेना ने मिलकर इंफाल और कोहिमा पर आक्रमण किया। लेकिन अंग्रेजी फौज भारी पड़ी। 6 जुलाई, 1944 ई. को आजाद हिन्द रेडियो पर अपने भाषण के दौरान बोस ने गांधीजी को 'राष्ट्रपिता' कहकर सम्बोधित किया। तभी गांधीजी ने भी उन्हें 'नेताजी' कहा। इस दिवस को 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
   - **संदर्भ:** इतिहास के शिक्षक **अतीत से वर्तमान भाग 3, पाठ 12 अथवा पृष्ठ 208** के संदर्भ में बच्चों को सुभाष चन्द्र बोस की जीवनी बतायें।
   - **बच्चा का क्या दिखाय?** फिल्म 'नेता जी सुभाष चन्द्र बोस–द फॉरगोटन हीरो' बच्चों को दिखा सकते हैं।
2. **हैंडराइटिंग डे**– हस्तलेखन दिवस 23 जनवरी, 1977 से प्रतिवर्ष मनाया जाता आ रहा है। दिवस मनाने का उद्देश्य पेंसिल, पेन और कलर पेन से राइटिंग को खूबसूरत बनाना है। इसके साथ ही सुंदर हैंडराइटिंग के माध्यम से व्यक्तित्व को अच्छा बनाना है। सन् 1977 से ही इसे भारत में मनाया जा रहा है। यह दिवस अमेरिकन स्टेट्समैन, राजनीतिज्ञ और गवर्नर जॉन हैंकाक के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाता है। जॉन हैंकाक अपने बिग बोल्ड लेटर्स सिग्नेचर के लिए जाने जाते थे। इसके साथ ही वे कॉन्टिनेंसियल कांग्रेस के फर्स्ट मेम्बर थे जो इंडिपेंडेंस के डिक्लेयरेशन पर हस्ताक्षर किया था। तभी से (1976–77 से) प्रतिवर्ष 23 जनवरी को यह दिवस मनाते हैं।
3. **जनता पार्टी का गठन**– प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लागू आपातकाल (1975–1976) के बाद जनसंघ सहित भारत के प्रमुख राजनैतिक दलों का विलय करके 23 जनवरी, 1977 को एक नए दल 'जनता पार्टी' का गठन किया गया। जनता पार्टी ने 1977 से 1980 तक भारत सरकार का नेतृत्व किया। विभिन्न दलों में शक्ति साझा करने को लेकर विवाद बढ़ने लगे और ढाई वर्षों के बाद देसाई को अपने पद से त्यागपत्र देना पड़ा। वर्ष 1980 में जनता पार्टी विघटित हो गई और पूर्व जनसंघ के पदचिह्नों को पुनर्संयोजित करते हुये भारतीय जनता पार्टी का गठन किया गया।
4. **अहमदशाह अब्दाली द्वारा दिल्ली में लूटपाट**– अहमदशाह अब्दाली, सन 1748 में नादिरशाह की मौत के बाद अफगानिस्तान का शासक और दुर्रानी साम्राज्य का संस्थापक बना। ताजपोशी के वक्त, साबिर शाह नाम के एक सूफी दरवेश ने अहमदशाह अब्दाली को 'दुर–ए–दुर्रान' का खिताब दिया था, जिसका मतलब होता है 'मोतियों का मोती'। इसके बाद से अहमदशाह अब्दाली और उसके कबीले को 'दुर्रानी' के नाम से जाना जाने लगा। उसने भारत पर सन् 1748 ई.–1767 ई. के बीच सात बार चढ़ाई की।

   23 जनवरी, 1757 को वह दिल्ली पहुँचा और शहर कब्जा कर लिया। उस समय दिल्ली का शासक आलमगीर (द्वितीय) था। वह बहुत ही कमजोर और डरपोक शासक था। उसने अब्दाली से अपमानजनक संधि की जिसमें एक शर्त दिल्ली को लूटने की अनुमति देना था। वह एक माह तक दिल्ली में ठहर कर लूटमार करता रहा।

जयंती विशेष 23 जनवरी

राकेश कुमार

सुभाष चन्द्र बोस (23 जनवरी 1897 –18 अगस्त 1945) भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के अग्रणी तथा सबसे बड़े नेता थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ने के लिए, उन्होंने जापान के सहयोग से आज़ाद हिन्द फ़ौज का गठन किया था। उनके द्वारा दिया गया "जय हिन्द" का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया है। "*तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा*" का नारा भी उनका था जो उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया। भारतवासी उन्हें *नेता जी* के नाम से सम्बोधित करते हैं।

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

23 जनवरी

मधु प्रिया

पराक्रम दिवस /सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी

23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक में एक संपन्न बांग्ला परिवार में जन्मे सुभाष अपने देश के लिए हर हाल में आजादी चाहते थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन देश के नाम कर दिया और अंतिम सांस तक देश की आजादी के लिए संघर्ष करते रहे। 'नेताजी' हर कीमत पर मां भारती को आजादी की बेड़ियों से मुक्त कराने को आतुर देश के उग्र विचारधारा वाले युवा वर्ग का चेहरा माने जाते थे। वह कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। देश की स्वतंत्रता के इतिहास के महानायक बोस का जीवन और उनकी मृत्यु भले ही रहस्यमय मानी जाती रही हो, लेकिन उनकी देशभक्ति सदा सर्वदा असंदिग्ध और अनुकरणीय रही। 23 जनवरी को पराक्रम दिवस मनाने की वजह बेहद खास है। दरअसल यह दिन सुभाष चंद्र बोस की याद में मनाया जाता है। सुभाष चंद्र बोस का 23 जनवरी को जन्म हुआ था। इस दिन नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई जाती है, जिसे पराक्रम दिवस का नाम दिया गया। वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पराक्रम दिवस को मनाने की घोषणा की थी। पराक्रम दिवस के मौके पर कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होता है। स्कूल कॉलेज में बच्चों को इस दिन का महत्व बताया जाता है और इसी दिन के जरिए स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन को याद किया जाता है। पराक्रम दिवस को मनाने के पीछे खास वजह है। इस दिन का नाता महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस से है। उनकी ही याद में पराक्रम दिवस को देश के एक खास दिन के रूप में मनाते हैं। नेताजी को इस दिन नमन किया जाता है और उनके योगदान को याद करते हैं। नेता जी सुभाष चंद्र बोस ने आजादी की लड़ाई में ओजस्वी नारा दिया था। 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।' इन नारे ने हर भारतीय के खून में उबाल ला दिया था और आजादी की जंग को तेज कर दिया था।आज से ठीक 78 साल पहले 18 अगस्त 1945 को जापान दूसरा विश्व युद्ध हार चुका था। अंग्रेज नेताजी के पीछे पड़े हुए थे। इसे देखते हुए उन्होंने रूस से मदद मांगने का मन बनाया। 18 अगस्त 1945 को उन्होंने मंचूरिया की तरफ उड़ान भरी। इसके बाद किसी को फिर वो दिखाई नहीं दिए।

दिवस प्रेरणा 23

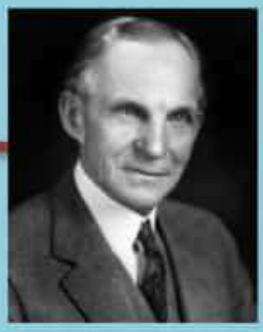

हेनरी फोर्ड

(फोर्ड मोटर कम्पनी के संस्थापक)

उचित शिक्षा का अवसर नहीं मिला ...

संघर्ष

हेनरी फोर्ड को उचित शिक्षा का अवसर नहीं मिला। पढ़ाई के प्रति रूचि नहीं होने के कारण केवल प्राथमिक शिक्षा ही ग्रहण कर पाये। किंतु बचपन से ही अधिक लगाव के कारण वे घर छोड़कर डेट्राइट चले गये। वहाँ वेतन मात्र ढाई डॉलर प्रति सप्ताह था। पैसे की तंगी से निकलने के लिए वे रात में घड़ी साज का काम किया करते थे। पन्द्रह साल की आयु में माता–पिता दोनों की मृत्यु हो गयी। उन्होंने एक के बाद एक पाँच बिजनेस शुरू किये लेकिन उनमें से किसी में सफलता नहीं मिली।

सफलता

हेनरी फोर्ड को आज 'कारों के पितामह' के नाम से जाना जाता है। मशीनों के प्रति दीवानगी और जुनून के कारण अपने प्रयोग पर अधिक समय दिया। 1893 में पेट्रोल से चलने वाली गाड़ी पहली कार बनायी। साल 1908 में जब फोर्ड की पहली कार 'मॉडल टी' लॉन्च की तो पुरी दुनिया में धूम मच गई। आज रेसिंग कार हो या घरेलू कार, फोर्ड ने अपना दबदबा बना रखा है।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल. ई मेल– ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुतिः टीचर्स ऑफ बिहार. contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

ToB बालमन

दर्शनीय स्थल

बक्सर का किला

बक्सर किला भारत के बिहार राज्य के बक्सर में स्थित एक किला है । बक्सर भारत के पूर्वी भाग में बिहार राज्य का एक शहर है जो पूर्वी उत्तर प्रदेश की सीमा से सटा हुआ है। यह बक्सर जिले का मुख्यालय है । इस किले की स्थापना राजा रुद्र देव ने वर्ष 1054 में की थी। जब राजा रूद्रदेव ने किले का निर्माण कराया था, उस समय सुरक्षा की दृष्टिकोण से किले के चारों तरफ तकरीबन 10 फीट चौड़ी दीवार बनवाई गई थी लेकिन आज इस किले की मोटी दीवारें ढह रही हैं। राजा रूद्रदेव किला के दक्षिण-पूर्वी हिस्से पर भैरव नाथ का एक मन्दिर भी स्थापित है । जहां कुछ पुजारी व संत हमेशा रहते है. मन्दिर में दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं का आवागमन सुबह से लेकर शाम तक होते रहता है। किले के अंदर एक बड़ा सा घर मौजूद है। कहा जाता है कि जब अंग्रेजी हुकूमत थी तो इसमें अंग्रेज अपने गोला-बारूद और हथियार रखते थे जिसे आज बारूद घर के नाम से जाना जाता है। किले के अंदर कई जगहों पर संतरी घर भी बनाए गए थे । किले में एक संतरी पोस्ट बारूद घर के पास भी है। हालांकि,अब इस किले की अस्तित्व खतरे में आ चुका है। हर साल गंगा के कटाव में किले की मिट्टी पानी में विलीन हो रही है।

बक्सर का किला बक्सर के प्रमुख आकर्षणों में से एक है। यह एक बहुत ही भव्य ऐतिहासिक किला है जिसे देखने के लिए देश भर से सैलानी आते हैं। यह क़िला अपने यहाँ आने वाले सैलानियों को शहर के गौरवशाली अतीत को बयान करता जान पड़ता है। इस क़िले की वास्तुकला बहुत ही लाजवाब है। यह अपनी भव्य दीवारों और राजसी प्रवेश द्वारों से लोगों का मन मोह लेता है।

कुमार राकेश मणि
(प्रधानाध्यपक)
UHS कोटा, नुआंव
(कैमूर) बिहार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **23.01.2025**

रूब्रिक

रूब्रिक एक मूल्यांकन उपकरण है जिसका इस्तेमाल छात्रों के काम का आकलन करने के लिए किया जाता है. यह छात्रों को सीखने के लिए स्पष्ट लक्ष्य देता है और उनके काम की गुणवत्ता को मापता है. रूब्रिक का इस्तेमाल असाइनमेंट, कक्षा में भागीदारी, और समग्र ग्रेडिंग के लिए किया जा सकता है।

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

एल्यूमिनियम (Aluminium)

संकेत (Symbol) - **Al**

परमाणु संख्या (Atomic number) -13

समूह (group)-13

आवर्त (period)-3

ब्लाक (block)-P

परमाणु भार A.weight -26.981

संयोजकता (valancy)-3

समस्थानिक (isotope)-2

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास - $[Ne]3s^2 3p^1$

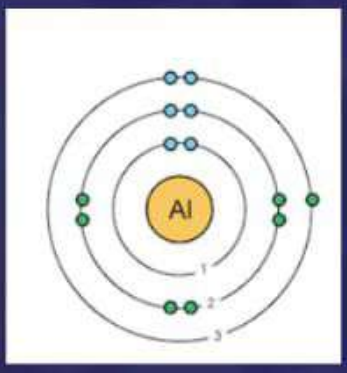

खोज

1825,हैंस क्रिश्चियन ओस्टेरड

भौतिक गुण

हल्की,नरम,फीकी चांदी जैसा रंग

रासायनिक गुण

विधुत एवं उष्मा का सुचालक

उपयोग

पेय पदार्थों के डिब्बे,बर्तन, हवाई जहाज के पुर्जे

Anu priya

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

मोरक्को में स्थित नीले शहर शेफचौएन अपने अनोखे आकर्षण और खूबसूरत नीले रंग के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है।

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 503

बक्सर के किला का निर्माण किसने करवाया था ?

A. राजा रुद्र देव

B. राजा नरेश

C. हरीशचंद्र सिंह

D. कुंवर सिंह

www.teachersofbihar.org

IND vs ENG
टी-20 हेड टु हेड

24 मैच | भारत जीता 13 | इंग्लैंड जीता 11

भारत में टी-20 रिकॉर्ड

11 मैच | भारत जीता 6 | इंग्लैंड जीता 5

IND vs ENG
टी-20 सीरीज

8 सीरीज | भारत जीता 4 | इंग्लैंड जीता 3 | ड्रॉ 1

भारत में टी-20 सीरीज

4 सीरीज | भारत जीता 2 | इंग्लैंड जीता 1 | ड्रॉ 1

Teachers of Bihar

The change makers

23 जनवरी **1897** - **18** अगस्त **1945**

टीचर्स ऑफ बिहार परिवार की ओर से वीर सपूत सुभाष चन्द्र बोस जी को उनके जन्मदिन पर शत्-शत् नमन ।

Madhu priya

/teachersofbihar

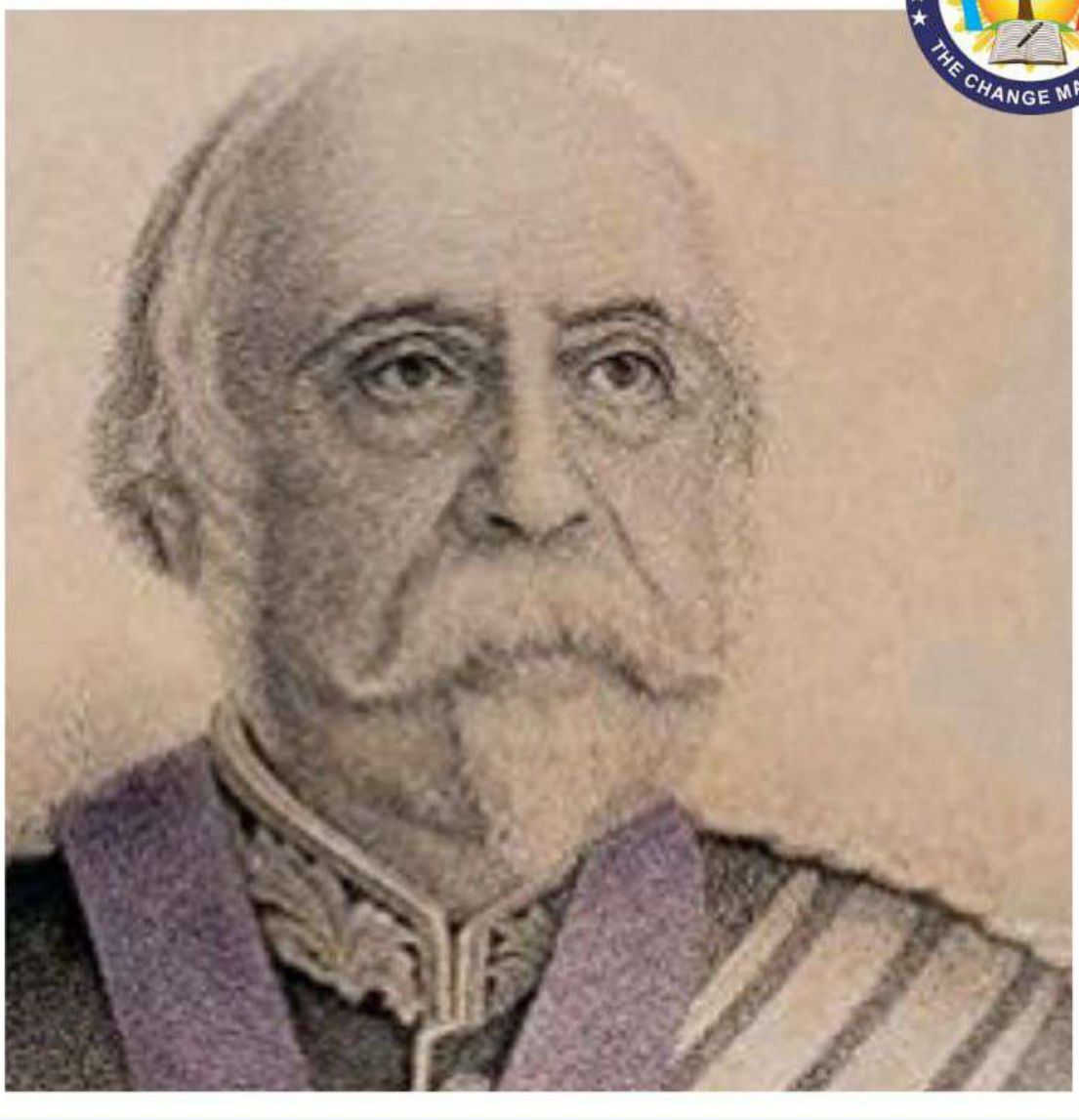

सर अलेक्ज़ैंडर कनिंघम

जन्म-23 जनवरी 1814 - मृत्यु-28 नवम्बर 1893

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

23 जनवरी

नेताजी
सुभाष चंद्र बोस

की जयंती पर सादर नमन

23 जनवरी 1897 - 18 अगस्त 1945

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari